नामांक Roll No.

Question Booklet No.

No. of Questions – 22

No. of Printed Pages – 11

S-01-Hindi

माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2026

SECONDARY SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2026

हिन्दी

समय : 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए । **[12×1=12]**

i) समानाधिकरण समुच्चय बोधक अव्यय के उदाहरण हैं **[1]**

अ) प्रतिदिन, प्राय:

ब) तथा, एवं

स) पूर्व, उपरान्त

द) धीरे-धीरे, झटपट

ii) निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग रहित शब्द है **[1]**

अ) अनुज

ब) अपितु

स) निर्बल

द) आधुनिक

iii) 'क्या कैप्टन चश्मे वाले नेताजी का साथी है ? या आजाद हिंद फौज का भूतपूर्व सिपाही ? उपर्युक्त कथन किस पाठ से उदृत है ? **[1]**

अ) एक कहानी यह भी

ब) नेताजी का चश्मा

स) संस्कृति

द) लखनवी अंदाज

iv) निम्नलिखित रचनाओं में मन्नू भण्डारी की रचना है **[1]**

अ) महाभोज

ब) भिक्षु के पत्र

स) यदा-कदा

द) सतरंगे पंखों वाली

v) पेट भरा और तन ढका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है वह [1]

अ) आराम करेगा

ब) मनोरंजन करेगा

स) निठल्ला नहीं बैठ सकता

द) परिश्रम नहीं कर सकता

vi) गोपियाँ किस मार्ग को पसन्द करती थी ? [1]

अ) ज्ञान मार्ग को

ब) प्रेम मार्ग को

स) विरह मार्ग को

द) सेवा मार्ग को

vii) तुलसी द्वारा रचित रामचरितमानस की भाषा है [1]

अ) अवधी

ब) राजस्थानी

स) ब्रज

द) खड़ी बोली हिन्दी

viii) निम्नलिखित कृतियों में से नाटक विधा की कृति है [1]

अ) चित्राधार

ब) कामायनी

स) आँसू

द) अजातशत्रु

ix) माता का अँचल पाठ में कौन-सा भाव व्यक्त हुआ है ? [1]

अ) क्रोध

ब) वात्सल्य

स) द्वेष

द) कारुण्य

x) 'देहाती दुनिया' उपन्यास में अभिव्यक्ति है [1]

अ) शहर के चकाचौंध की

ब) मानवीय करुणा की

स) बालमनोभावों की

द) युवामन के सपनों की

xi) ''साना-साना हाथ जोड़ि, गर्दहु प्रार्थना'' वाक्य का अर्थ है [1]

अ) छोटे-छोटे हाथ जोड़कर प्रार्थना करती हूँ ।

ब) हिमालय पर छोटे-छोटे कदम रखती हूँ ।

स) जीवन में निरन्तर आगे बढ़ती हूँ ।

द) आओ सब मिलकर हिमालय पर चलें ।

xii) अज्ञेय ने हिरोशिमा पर कविता कहाँ बैठे-बैठे लिखी ? [1]

अ) घर में बैठकर

ब) हवाई जहाज में बैठकर

स) जापान के हिरोशिमा में

द) रेलगाड़ी में बैठे-बैठे

2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द से कीजिए । **[6×1=6]**

i) 'अन्वेषण' शब्द में ______________ संधि है । [1]

ii) ''आशा सोती है ।'' वाक्य में ______________ क्रिया है । [1]

iii) 'पथभ्रष्ट' शब्द में ______________ समास है । [1]

iv) ऐसे शब्द जो विशेषण की विशेषता बताते हैं ______________ कहलाते हैं । [1]

v) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण शब्द जब धातु की तरह प्रयुक्त होते हैं उन्हें ______________ कहते हैं । [1]

vi) सर्वनाम का शाब्दिक अर्थ है ______________ । [1]

3. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[6×1=6]**

भक्ति–आन्दोलन से जो भावात्मक एकता स्थापित हुई उसमें जितना फैलाव था, उतनी गहराई भी थी । यह एकता समाज के थोड़े से शिक्षित जनों तक सीमित नहीं थी । संस्कृत के द्वारा जो राष्ट्रीय एकता कायम हुई थी, उससे यह भिन्न थी । यह एकता प्रादेशिक भाषाओं के माध्यम से कायम हो रही थी । भक्ति आन्दोलन एक ओर अखिल भारतीय आन्दोलन था, तो दूसरी ओर वह प्रदेशगत, जातीय आन्दोलन भी था । देश और प्रदेश एक साथ, राष्ट्र और जाति दोनों की सांस्कृतिक धाराएँ एक साथ ।

i) भावात्मक एकता स्थापित हुई **[1]**

अ) प्रेम आन्दोलन से

ब) स्वतंत्रता आन्दोलन से

स) भक्ति आन्दोलन से

द) संस्कृत आन्दोलन से

ii) इस आन्दोलन में जितना फैलाव था उतनी ही **[1]**

अ) गहराई भी थी

ब) जीवनादर्श भक्ति थी

स) मार्मिक वेदना थी

द) समाज की निस्पृह भावना थी

iii) राष्ट्रीय एकता स्थापित हुई थी **[1]**

अ) हिन्दी से

ब) संस्कृत से

स) ब्रज से

द) अवधी से

iv) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । **[1]**

v) भक्ति आन्दोलन कैसा आन्दोलन था ? **[1]**

vi) भक्ति आन्दोलन में कौन–सी दो धाराएँ एक साथ थी ? **[1]**

4. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[6×1=6]**

रावण अधर्मरत भी, अपना, मैं हुआ अपर,
यह रहा, शक्ति का खेल समर, शंकर, शंकर !
करता मैं योजित बार-बार शरनिकर निशित,
हो सकती जिनसे यह संस्कृति संपूर्ण विजित,
जो तेजः पुंज, सृष्टि की रक्षा का विचार,
हैं जिनमें निहित पतन घातक संस्कृति अपार !

i) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । **[1]**

ii) शक्ति का कौन-सा खेल अनुचित लग रहा था ? **[1]**

iii) राम के बाणों से क्या हो सकता था ? **[1]**

iv) रावण से युद्ध करते हुए राम की निराशा का कारण था **[1]**

अ) रावण का शक्तिशाली होना

ब) शक्ति का अधर्मरत रावण का साथ देना

स) रावण का अट्टहास करना

द) राम की निराशा का स्वभाविक होना

v) रावण अधर्मरत भी अपना, मै अपर, ऐसा किसने कहा ? **[1]**

अ) राम ने

ब) रावण ने

स) मेघनाद ने

द) सीता ने

vi) प्रस्तुत काव्यांश में राम के मन में कौन-सा भाव प्रकट होता है ? **[1]**

अ) आशा का

ब) दुर्भावना का

स) निराशा का

द) करुणा का

5. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[3×1=3]**

बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा ? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए ! लेकिन भगत का निर्णय अटल था । तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा–यह थी उनकी आखिरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती ?

i) उपर्युक्त गद्यांश किसके बीच वार्ता का अंश है ? **[1]**

ii) भगत का निर्णय अटल क्यों था ? **[1]**

iii) भगत की आखिरी दलील क्या थी ? **[1]**

अथवा

अपने ऊहापोहों से बचने के लिए हम स्वयं किसी शरण, किसी गुफा को खोजते हैं जहाँ अपनी दुश्चिन्ताओं, दुर्बलताओं को छोड़ सकें और वहाँ से फिर अपने लिए एक नया तिलिस्म गढ़ सकें । हिरन अपनी ही महक से परेशान पूरे जंगल में उस वरदान को खोजता है जिसकी गमक उसी में समाई है । अस्सी बरस से बिस्मिल्ला खाँ यही सोचते आए हैं कि सातों सुरों को बरतने की तमीज उन्हें सलीके से अभी तक क्यों नहीं आई ।

i) अपनी दुर्बलताओं, दुश्चिंताओं से बचने के लिए मानव क्या करता है ?

ii) हिरन जंगल में किस वरदान को खोजता है ?

iii) बिस्मिल्ला खाँ क्या सोचते थे ?

6. निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[3×1=3]**

गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं
उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए ।

i) उपर्युक्त काव्यांश किस कविता का अंश है ? **[1]**

ii) अपने स्वर को ऊँचा न उठाना विफलता क्यों नहीं है ? **[1]**

iii) कवि ने काव्यांश में किसकी मनुष्यता की बात कहीं है ? **[1]**

अथवा

मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया ।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया ।
जिसके अरुण-कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में ।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में ।
उसकी स्मृति पाथेय बनी है, थके पथिक की पंथा की ।
सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की ?

i) उपर्युक्त काव्यांश किस कविता का अंश है ?

ii) कवि से सुख कैसे भाग गए ?

iii) कवि ने अन्तिम पंक्ति में क्या भाव अभिव्यक्त किया है ?

खण्ड – ब

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए । **[9×2=18]**

7. ''हालदार साहब भावुक हैं । इतनी सी बात पर उनकी आँखें भर आई ।'' हालदार साहब की आँखें क्यों भर आई पठित पाठ के आधार पर लिखिए । **[2]**

8. बालगोबिन भगत अपने बेटे के प्रति अधिक स्नेह क्यों रखते थे ? **[2]**

9. 'लखनवी अंदाज' कहानी में किस वर्ग पर व्यंग्य किया गया है ? **[2]**

10. ''परस पाकर तुम्हारा ही प्राण, पिघल कर जल बन गया होगा कठिन पाषाण ।'' काव्य पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । **[2]**

11. ''सुनि सरोष भृगुबंसमनि बोले गिरा गम्भीर'' काव्य पंक्ति में रेखांकित पद किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ? **[2]**

12. गोपियाँ कृष्ण को हारिल की लकड़ी के समान क्यों बता रही हैं ? **[2]**

13. टीले पर जाकर बच्चों द्वारा चूहों के बिल में पानी उलचीने से क्या हुआ ? पठित पाठ के आधार पर लिखिए । **[2]**

14. मणि के द्वारा स्कूल जाते बच्चों के लिए स्कूली बस के बारे में पूछने पर जितेन क्यों हँस पड़ा ? पठित पाठ के आधार पर लिखिए । **[2]**

15. 'हाथ पैर मारना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । **[2]**

खण्ड – स

16. 'बालगोबिन भगत' रेखाचित्र के माध्यम से लेखक ने क्या संदेश दिया है ?
(शब्द सीमा **60-80** शब्द) **[3]**

अथवा

स्वाधीनता आन्दोलन में मन्नू भण्डारी के योगदान के बारे में लिखिए ।
(शब्द सीमा **60-80** शब्द)

17. ''ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौ लागी ।'' गोपियों ने ऐसा क्यों कहा ?
(शब्द सीमा **60-80** शब्द) **[3]**

अथवा

''धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार ।'' काव्यांश किसने, क्यों कहा ?
(शब्द सीमा **60-80** शब्द)

18. ''मंजिल से कहीं ज्यादा रोमांचक होता है मंज़िल का सफ़र ।'' लेखिका ने ऐसा क्यों कहा 'साना-साना हाथ जोड़ि पाठ' के आधार पर लिखिए ।
(शब्द सीमा **60-80** शब्द) **[3]**

अथवा

लेखक अज्ञेय ने जब हिरोशिमा में घूमते हुए जले हुए पत्थर को देखा तो क्या सोचा होगा, लिखिए ।
(शब्द सीमा **60-80** शब्द)

19. 'तुलसीदासजी' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त परिचय लिखिए ।
(शब्द सीमा **60-80** शब्द) **[3]**

अथवा

'भदन्त आनंद कौसल्यायन' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त परिचय लिखिए ।
(शब्द सीमा **60-80** शब्द)

खण्ड – द

20. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए। **[6]**

1) विद्यार्थी जीवन का महत्त्व

   i) प्रस्तावना

   ii) विद्यार्थी की परिभाषा व कर्त्तव्य

   iii) विद्यार्थी जीवन में लगन व उत्साह

   iv) सात्विक जीवन

   v) उपसंहार

2) स्वास्थ्य जीवन का प्रथम धर्म है

   i) प्रस्तावना

   ii) स्वस्थ जीवन की परिभाषा

   iii) स्वास्थ्य पाने के उपाय

   iv) स्वस्थ रहने के लाभ

   v) उपसंहार

3) मेरा प्रिय कवि

   i) प्रस्तावना

   ii) प्रिय कवि का परिचय

   iii) प्रिय होने के कारण

   iv) रचनाएँ

   v) उपसंहार

21. स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नयनपुर का दिव्यांशु मानकर प्रधानाचार्य महोदय को अतिरिक्त कक्षाएँ लगवाने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए । **[4]**

अथवा

स्वयं को जयनगर का महेश मानकर अपने छोटे भाई को एकाग्रतापूर्वक पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए एक पत्र लिखिए ।

22. निम्नलिखित गद्यांश का संक्षिप्तीकरण कीजिए । **[4]**

भारतीय समाज में महिलाओं के प्रति आदर का भाव प्राचीन काल से ही रहा है । शिक्षा की भूमिका स्त्रियों को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने में महत्त्वपूर्ण रही है । आजादी के बाद से, विशेष रूप से पिछले दो-ढाई दशकों से केन्द्र सरकार तथा विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे सतत साक्षरता अभियान तथा 6 से 14 वर्ष के सभी बालक-बालिकाओं को प्राथमिक शिक्षा दिलाने की अनिवार्यता ने इसे और भी महत्त्वपूर्ण बना दिया है ।

अथवा

निम्नलिखित पंक्ति का पल्लवन कीजिए ।

'पर उपदेश कुशल बहुतेरे ।'

DO NOT WRITE ANYTHING HERE